प्रेस विज्ञप्ति

''ब्रह्माकुमारी संस्था का नाम लिम्का बुक में''

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय का नाम सुनहरे अक्षरों में ''लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड–2008'' में दो स्थानों पर दर्ज हो गया है। इस लक्ष्य को साधा है विश्व विद्यालय की 'यूथ विंग' ने। जिसने अब तक की सबसे लंबी 'स्वर्णिम भारत युवा पदयात्रा–2006' का सफल आयोजन किया। इसके साथ ही विश्व विद्यालय द्वारा बेलगांव (कर्नाटक) में बनाये गये प्राणिमात्र को प्रेम का संदेश देने वाले फ्लेक्स होर्डिंग को अब तक का सबसे बड़ा होर्डिंग मानते हुए लिम्का बुक में प्रमुख स्थान दिया गया है।

इस पदयात्रा ने कुल 30 हजार किलोमीटर से अधिक का सफर तय कर यह गौरव प्राप्त किया है। 30 बड़े शहरों से यात्रायें निकाली गई। इसकी शुरूआत 20 अगस्त 2006 को भारतीय विद्या भवन, मुंबई से हुई एवं समापन 29 अक्टूबर 2006 को तिनसुकिया (असम) में हुआ। जिसमें शामिल होकर 1 करोड़ 25 लाख से अधिक लोग राजयोग मेडिटेशन से लाभान्वित हुये। कुल 974 दिन के इस सफर में 12 हजार से भी अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अंतर्गत युवा जागृति, वृक्षारोपण, हेल्थ चेक अप, निःशुल्क दवाई वितरण, स्वच्छता अभियान, प्रेरक भाषण, वीडियो शो, व्यसनमुक्ति, रक्तदान शिविर, आध्यात्मिक एवं नैतिक ज्ञान पर आधारित चलचित्र आदि थे। कार्यक्रमों का मंचन मुख्य रूप से यात्रा मार्ग में आने वाले स्कूल, कॉलेज, जेल, सरकारी कार्यालय, निजी कंपनियाँ, क्लब आदि स्थानों पर किया गया।

इन कार्यक्रमों में शामिल होकर हजारो लोगों ने धूम्रपान, तंबाकू, शराब, जुआ, भ्रष्टाचार, हिंसात्मक प्रवृत्ति, अनुशासन हीनता, हिंसा आदि छोड़ने का संकल्प लिया। इस यात्रा में 5 लाख ब्रह्माकुमार–कुमारियों ने भाग लिया, जिसमें 1200 से अधिक पदयात्री स्थायी थे। इस ही तरह बुक में शामिल होर्डिंग की उँचाई 41 फीट है जबकि चौड़ाई 260 फीट है। यह होर्डिंग 15 से 24 दिसम्बर तक सरदार हाई स्कूल मैदान, बेलगाम, कर्नाटक में लगाया गया था। मौका था आध्यात्मिक कार्यक्रम 'वर्ल्ड पीस फेस्टिवल' का। इस होर्डिंग को लगाने में 2500 बांस का इस्तेमाल किया गया और 50 लोगों ने इसे निर्धारित स्थान पर लगाने के लिए 15 दिन लिये। यह 6 भागों में बाँटा गया था। हर एक पर अलग–अलग चित्र एवं संदेश लिखा गया था। अब तक का यह सबसे बड़ा होर्डिंग था।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की भगिनी संस्था ''राजयोग शिक्षण एवं अनुसंधान प्रतिठान'' है जिसकी 17 विंग्स कार्यरत हैं। इसमें डॉक्टर्स, इंजीनियर्स, न्यायाधीश, मीडिया, महिला, ग्रामीण विकास, कला एवं संस्कृति, यूथ आदि शामिल है।

उपरोक्त 'स्वर्णिम भारत युवा पदयात्रा' की आयोजक ब्रह्माकुमारीज संस्था के यूथ विंग की राष्ट्रीय अध्यक्षा राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, माउंट आबू एवं राष्ट्रीय समन्वयक ब्रह्माकुमारी चंद्रिका बहन, अहमदाबाद हैं।

---------- ***एक नजर में–***

स्वर्णिम भारत युवा पदयात्रा – 2006

कुल दिन	*– 974*	*स्कूल एवं कॉलेज*	*– 2230*
कुल दूरी	*– 30,528 किमी*	*सार्वजनिक कार्यक्रम*	*– 4440*
कुल स्थायी पदयात्री	*– 1222*	*स्वागत समारोह*	*– 2043*
कुल लाभान्वित राज्य	*– 25*	*कुल लाभार्थी*	*– 1,27,46,586*
कुल शहर	*– 973*	*जेल*	*– 49*
कुल गाँव	*– 3498*	*कुल व्यसनमुक्त*	*– 23,305*

सूचनाः उपरोक्त समाचार मंगलवार, 29 जुलाई, 2008 के दिन ही सभी समाचार–पत्रों तथा चैनल्स को एक साथ सभी सेवाकेन्द्रों द्वारा प्रसारित किया जाना है।

–ब्रह्माकुमार ओमप्रकाश, अध्यक्ष, मीडिया विंग, ब्रह्माकुमार करूणा, उपाध्यक्ष, मीडिया विंग